a2zpapers.com

Exam. Code : 216304
Subject Code : 4787

M.A. (Hindi) 4th Semester

ADHUNIK GADHYA SAHITYA

Paper—XVII

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—80

प्रथम—भाग

उपशीर्षक—क

1. निम्नलिखित छः गद्यांशों में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) भावों की छानबीन करने पर मंगल का विधान करने वाले दो भाव ठहरते हैं—करुणा और प्रेम। करुणा की गति रक्षा की ओर होती है और प्रेम की रंजन की ओर। लोक में प्रथम साध्य रक्षा है। रंजन का अवसर उसके पीछे आता है। अतः साधनावस्था या प्रयत्नपक्ष को लेकर चलने वाले काव्यों का बीज भाव करुणा ही ठहरता है।

(ख) चाहे कच्चा चरे, या पकाकर खाएँ—गेहूँ तक पशु और मानव में अन्तर ? मानव को मानव बनाया गुलाब ने। मानव, मानव बना, जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी।

(ग) "भले आदमी, तुमने पत्नी के सब गहने बेच डाले हैं। यदि कल तुम्हें कुछ हो जाए, तो पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण का भार उन गरीब भाई पर ही पड़ेगा न, जिन्होंने पिता का स्थान लिया है और उसे सुशोभित किया है ? यह उचित न होगा।"

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(घ) रम्भा हमारे परिवार की पुरानी नौकरानी थी। उसका प्रेम मुझे आज भी याद है। ..... मुझे भूत-प्रेत आदि का डर लगता था। रम्भा ने मुझे समझाया कि इसकी दवा रामनाम है। मुझे तो रामनाम से भी अधिक श्रद्धा रम्भा पर थी, इसलिए बचपन में भूत-प्रेतादि के भय से बचने के लिये मैंने रामनाम जपना शुरु किया।

(ङ) मैं इस घर में एक रबड़ स्टैंप भी नहीं, सिर्फ एक रबड़ का टुकड़ा हूँ—बार-बार घिस जाने वाला रबड़ का टुकड़ा। इसके बाद क्या कोई मुझे वजह बता सकता है, एक भी ऐसी वजह, कि क्यों मुझे रहना चाहिये इस घर में ?

(च) अपनी ज़िंदगी चौपट करने का ज़िम्मेदार मैं हूँ। फिर भी इस घर से चिपका हूँ, क्योंकि अन्दर से मैं आरामतलब हूँ, घर घुसरा हूँ, मेरी हड्डियों में जंग है.....मैं एक कीड़ा हूँ जिसने अन्दर ही अन्दर इस घर को खा लिया है।

$4 \times 6 = 24$

उपशीर्षक—ख

2. निम्नलिखित किन्हीं **चार** प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न **6** अंकों का है :

(क) नाटककार भारतेन्दु का सामान्य परिचय दीजिये।

(ख) हिन्दी नाटक के विकास में भारतेन्दु जी के योगदान का सामान्य परिचय दीजिये।

(ग) निबंध साहित्य में प्रतापनारायण मिश्र के महत्व का सामान्य परिचय दीजिये।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(घ) निबन्धकार के रूप में प्रतापनारायण मिश्र का सामान्य परिचय दीजिये।

(ङ) आत्मकथा के माध्यम से अभिव्यक्त यशपाल का सामान्य परिचय दीजिये।

(च) यशपाल की आत्मकथा का सामान्य परिचय दीजिये।

$4 \times 6 = 24$

द्वितीय—भाग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का सविस्तार उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न **16** अंकों का है :

(क) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध के प्रतिपाद्य का समीक्षात्मक परिचय दीजिये।

(ख) आत्मकथा कला के आधार पर 'मेरी आत्मकथा' का मूल्यांकन कीजिये।

(ग) 'आधे अधूरे' नाटक में आधे-अधूरेपन के विविध आयामों की समीक्षा कीजिये। $16 \times 2 = 32$

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab